चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़, श्री चित्रा तिरूनल आयुर्विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेन्द्रम, रेलवे अस्पताल, मद्रास, सर जे० जे० ग्रुप आफ हास्पिटल्स, मुम्बई, सेंट जार्ज अस्पताल, मुम्बई और के० ई० एम० अस्पताल, मुम्बई आदि में उपलब्ध है।

(ख) से (घ) इन अस्पतालों में कार्मिकों, उपकरणों, आपरेशन थियेटरों आदि के संबंध में दी जाने वाली सुविधाएं विकसित देशों में दी जाने वाली इस प्रकार की सुविधाओं के समतुल्य है।

अनुकम्पा के आधार पर चिकित्सा के लिए अनुग्रह राशि के भुगतान के लिए लंबित आवेदन पत्र

2284 **श्री अजीत जोगी** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अनुकंपा के आधार पर चिकित्सा हेतु अनुग्रह राशि के भुगतान के संबंध में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के पास 30 जून, 1994 तक कई आवेदन लंबित है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसके क्या कारण हैं; और

(ग) इन आवेदनों को कब तक निपटा दिया जाएगा ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) वित्तीय सहायता के लिए 30 जून, 1994 तक प्राप्त हुए आवेदन पत्रों में से 1070 आवेदन पत्र डाक्टर द्वारा प्रमाणित बीमारी, आय प्रमाणपत्र, उपचार/ऑपरेशन आदि के लिए अस्पताल में मरीज की भर्ती करने आदि की सूचना के अभाव में लंबित पड़े है। सभी तरह से पूर्ण मामलों के संबंध में स्वीकृत अनुदान सीधे संबंधित अस्पतालों को दिया जाता है।

Need to increase the investment in preventive and social medicine

2285. SHRI NILOTPAL BASU : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government have instituted any formal enquiry for finding out the precise reasons for the out-break of plague in Surat and other parts of the country;

(b) if so, whether the report will be tabled on the floor of the Parliament;

(c) whether Government agrees that an increase is warranted in the investment for preventive and social medicines as well as investments in basic civic amenities like sanitation, safe drinking water etc.; and

(d) if so, what is the precise increment in investment in these vital areas for the next 3 years?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) and (b) A Technical Advisory Committe apponited in this regard has to submit its report by April, 1995.

(c) and (d) Yes, Sir. Government has already assigned priority to these areas and preventive and social medicine aspects are incorporated in all the National Health Programmes.

For rural water supply and sanitation the following provision has been envisaged:

(Rs. in crores)

	1994-95	1995-96	1996-97
Rural Water Supply	890	1500	1510
Rural Sanitation	60	120	150

For urban water supply and sanitation, a provision for Rs. 263 crores has been made for VIIIth Five Year Plan.

Efforts to bring down total fertility rate

2286. DR. NAUNIHAL SINGH : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that at one extreme Kerala has low birth and low death rates, that is, the Total Fertility Rate (TFR) is on 1.8, at the other extreme are Uttar Pradesh and Rajasthan where the TFR is 5.1 and 4.6 respectively.

(b) whether it is also a fact that there is something wrong with Government's approach to bring down the Total Fertility Rate whether the slow progress in this regard is due to faulty policies or faulty implementation of policies;

(c) whether it is true that there are two slogans about family planning—development is the best contraceptive and 'contraceptives are the best contraceptives,' which of these Government favour; and

(d) what new policy has been envisaged by Government in view of the World Population Report, 1994?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. C. SILVERA) : (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. The acceptance of small family norm depends upon such factors as literacy and education, economic status, social and cultural beliefs etc. as also the quality of services provided to potential accepters of the programmes.

(c) There are several factors which influence acceptance of family planning ranging from social to economic, educational and religious.

(d) The Action Plan under implementation covers improvement in quality of care and outreach of services, re-orientation of information, education and communication efforts, involving voluntary and NGOs in a big way to promote community participation differential strategies for poor performing areas etc.

गुजरात में परिवार कल्याण कार्यक्रमों के लिए विश्व बैंक से सहायता

2287 **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या केन्द्र सरकार ने विश्व बैंक को गुजरात में परिवार कल्याण योजनाओं को सुचारु रूप से चलाने के लिए सहायता प्रदान करने के लिए कहा है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस सहायता की राशि कितनी है और इसके कब तक प्राप्त होने की संभावना है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डॉ० सी सिल्वेरा) : (क) से (ग) गुजरात में 2-11-90 से 5 वर्ष की अवधि के लिए 43.90 करोड़ रुपये की लागत से विश्व बैंक सहायता प्राप्त भारत जनसंख्या परियोजना--VII कार्यान्वित की जा रही है । इस परियोजना में पूरे राज्य को शामिल किया गया है । परियोजना के अधीन किए गए लगभग 80 प्रतिशत खर्च की प्रतिपूर्ति विश्व बैंक द्वारा की जाती है ।

इसके अलावा, 1992-93 के दौरान विश्व बैंक की आंशिक सहायता से गुजरात सहित देश के सभी जिलों में "शिशु जीवन रक्षा और सुरक्षित मातृत्व" नामक एक अन्य कार्यक्रम शुरू किया गया है । सरकार ने इस कार्यक्रम की 7 वर्ष की अवधि के लिए 1125.58 करोड़ रुपये के परिव्यय की स्वीकृति दी है । शिशु जीवन रक्षा और सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम के अधीन गुजरात सहित भाग लेने वाले सभी राज्यों के लिए वित्त पोषण विश्व बैंक द्वारा वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति के आधार पर किया जाएगा ।

Expenditure incurred on CGHS

2288. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) the total expenditure incurred on Central Government Health Scheme (CGHS) during the last three years, year-wise;

(b) the expenditure incurred in different cities, city-wise during the above period;

(c) the provisions made for the current year for the CGHS;

(d) whether Government are taking steps to cut down the expenditure on CGHS; and

(e) if so, the details heretof ?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) The expenditure is shown below :—

	(Rs in crores)
1991-92	80.59
1992-93	88.35
1993-94	118.87

(b) The details of city-wise expendtiure for the last three years is given in the attached statement (*See* below).

(c) Rs. 104.00 crores

(d) No, Sir.

(e) Does not arise;

Statement

S. No.	Name of the City	1991-92	1992-93	1993-94
1.	Ahmedabad	77.27	86.01	99.20
2.	Allahabad	233.55	258.32	332.87
3.	Bangalore	223.64	280.67	324.24
4.	Mumbai	617.85	633.47	740.17
5.	Calcutta	528.68	561.28	596.71
6.	Delhi	3514.51	3830.81	5451.89
7.	Hyderabad	830.30	905.09	1638.72
8.	Jabalpur	21.37	52.11	78.50
9.	Jaipur	199.52	211.37	222.16
10.	Kanpur	248.78	226.56	373.95